नमूना प्रश्न पत्र-1 (हिन्दी पाठ्यक्रम ब के लिए)

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश -

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका अनुपालन कीजिए -

(1) प्रश्न-पत्र के दो खंड है - खंड 'अ' और खंड 'ब'।

(2) 'अ' में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए है। सभी प्रश्नों के उपप्रश्न दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(3) 'ब' में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए है। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ' (वस्तुपूरक प्रश्न)

प्र.1 नीचे दो गद्यांश दिए गये है। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(1 × 5 = 5)**

विकास का उद्देश्य लोगों का आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक उत्थान है। विश्व में विकास के सम्बन्ध में अलग-अलग विचार है। विकास के पश्चिम अथवा यूरोप केन्द्रित विचार में स्वतंत्रता को अत्यधिक महत्त्व दिया जाता है, जिसका सम्बन्ध आधुनिकीकरण, अवकाश, सुविधा व समृद्धि से जुड़ा है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में औधोगीकरण, कम्प्यूटरीकरण, उत्कृष्ट परिवहन व्यवस्था, स्वास्थय व शिक्षा की उपलब्धता, वैयक्तिक सुरक्षा इत्यादि को विकास का पर्याय माना जाता है, परन्तु यह विकास का एकतरफा प्रतीक है। मानव विकास एक व्यापक संकल्पना है, जिसमें मानव के लिए स्वस्थ भौतिक पर्यावरण की उपलब्धता के साथ आर्थिक, सामाजिक व राजनीतिक स्वतंत्रता भी समाहित है। इसका लक्ष्य लोगों के उपलब्ध विकल्पों में विस्तार करते हुए शिक्षा व स्वास्थय तक मानव पहुँच सुनिश्चित करना है, ताकि सशक्तीकरण को सार्वभौमिक बनाया जा सके।

साक्षरता मानव के लिए अनिवार्य है, क्योंकि यह ज्ञान व मुक्ति का मार्ग है, परन्तु इसके साथ समाज व पर्यावरण के बारें में भी व्यक्ति को ज्ञान होना चाहिए, क्योंकि ज्ञान की मुक्ति का मूलाधार है। विकास ने मनुष्य के जीवन में कई परिवर्तन लाए है। मानव विकास का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य सभी मनुष्यों तक विकास के समान लाभ का वितरण करना है, परन्तु भेदभाव, मानवधिकारों का हनन तथा विस्थापन की समस्याओं ने मानव को विकास के वास्तविक लाभ से दूर कर दिया है।

1. प्रस्तुत गद्यांश के आधर पर बताइए कि विकास का संबंध किससे है?

(अ) आधुनिकीकरण से (ब) सुविधा से (स) समृद्धि से (द) ये सभी

2. मानव विकास में किन तत्वों को समाहित किया गया है?

(अ) स्वस्थ भौतिक पर्यावरण को (ब) सामाजिक स्वतंत्रता को (स) आर्थिक समृद्धि को (द) ये सभी

3. मानव के लिए साक्षरता क्यों अनिवार्य है?

(अ) सार्वभौमिकता के लिए (ब) ज्ञान और मुक्ति के लिए (स) विस्थापन के लिए (द) स्वतंत्रता के लिए

4. निम्नलिखित में से प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उयुक्त शीर्षक क्या होगा ?

(अ) शिक्षा और मानव (ब) आधुनिकीकरण और मानव

(स) मानव विकास की संकल्पना (द) पश्चिमी संस्कृति और मानव

5. मानव विकास का महत्वपूर्ण उद्देश्य किसे माना गया है?

(अ) शिक्षा का व्यापक प्रसार करना (ब) सभी मनुष्यों तक विकास के समान लाभ का वितरण करना

(स) सामाजिक स्वतंत्रता प्रदान करना (द) आर्थिक रूप से मजबूत बनाना

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_] Course (B)_ Paper.p65"

अथवा

महिला सशक्तीकरण से महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती है, जिससे वह अपने जीवन से जुड़े सभी फैसले स्वयं लेती है और परिवार व समाज में अपना स्थान बनाती हैं। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिल सशक्तीकरण भौतिक या आध्यात्मिक, शारीरिक तथा मानसिक, सभी स्तर पर महिलाओं में आत्मविश्वास पैदा कर उन्हें सशक्त बनाने की प्रक्रिया है। महिलाओं के सामाजिक सशक्तीकरण में शिक्षा की अहम भूमिका होती है।

ग्रामीण महिलाएँ सदियों से घर तथा खेत में पुरूषों के बराबर ही काम करती है, लेकिन वहाँ उन्हें सामंती सोच के कारण दूसरे दर्जे का नागरिक ही माना जाता रहा है। ग्रामीण समाज की सोच बदलने का वक्त अब आ गया है। महिलाओं की उन्नति के लिए अब गाँवों में कार्य किया जाना चाहिए।

नारी सशक्तीकरण के इस वर्तमान दौर में महिलाएँ केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ ही नहीं हुई, अपितु समाज एवं परिवार की सोच में भी सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देने प्रारम्भ हो गए हैं। आज महिलाएँ प्रत्येक क्षेत्र में स्वयं के बल पर आगे बढ़ रही है। चाहे वह सामाजिक क्षेत्र हो, राजनीति हो, शिक्षा हो, रोजगार हो, सभी जगह महिलाओं ने अपना परचम फहराया है। वर्तमान समय में लोग बेटियों को बोझ समझकर दुनिया में आने से पहले ही मारें नहीं, इसलिए सरकार ने बहुत सारी योजनाओं जैसे लाड़ली योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं, उड़ान आदि की शुरूआत की है।

1. गद्यांश के आधार पर बताइए कि ग्रामीण महिलाओं को किस तरह का नागरिक माना जाता रहा हैं?

(अ) पहले दर्जे का (ब) दूसरे दर्जे का (स) तीसरे दर्जे का (द) इनमें से काई नहीं

2. महिलाओं की उन्नति के लिए अब कहाँ से कार्य किया जाना चाहिए?

(अ) शहरों से (ब) गाँवों से (स) नगरों से (द) इनमें से काई नहीं

3. गद्यांश के आधार पर बताइए कि वर्तमान में महिलाएँ किसके बल पर आगे बढ़ रही हैं?

(अ) पुरूषों के बल पर (ब) समाज के बल पर (स) स्वयं के बल पर (द) इनमें से काई नहीं

4. गद्यांश के अनुसार वर्तमान में महिलाएँ के लिए सरकार ने कौन कौन-सी योजनाएँ चलाई हैं?

(अ) लाड़ली योजना (ब) बैटी-बचाओ-बेटी पढ़ओं (स) उड़ान (द) ये सभी

5. प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने महिलाओं की किस स्थिति की ओर संकेत किया है?

(अ) वर्तमान स्थिति (ब) प्राचीन स्थिति (स) सामंती सोच (द) इनमें से काई नहीं

प्र.2 नीचे दो गद्यांश दिए गये है। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1 × 5 = 5)

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए एक बहुत ही आवश्यक साधन है। यदि हम समाज में सामाजिक परिवर्तन लाना चाहते हैं, तो शिक्षा उसका एक आवश्यक स्रोत है, क्योंकि इसके बिना किसी भी स्तर पर कोई सामाजिक परिवर्तन नहीं लाया जा सकता। सामाजिक क्षेत्रों में बहुत से सुधार करने का प्रयत्न किया गया, परन्तु लोगों में शिक्षा की कमी देखी गई है, जिसके परिणामस्वरूप व्यावहारिक रूप में सुधार प्रभावहीन रह जाते हैं। हमने बाल विवाह, बाल श्रम, दहेज प्रथा तथा अन्य सामाजिक बुराईयों के लिए बहुत से कानून बनाए, परन्तु विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित अशिक्षा ने इन सुधारात्मक कानूनी उपायों के लगभग नकार दिया है, इसलिए शिक्षा के द्वारा इन बुराईयों को मिटाने का प्रयत्न करना चाहिए, जिससे सामाजिक परिवर्तन को तीव्रता प्रदान की जा सके। देश में पिछड़ी तथा अनुसूचित जातियों का उत्थान, राष्ट्रीय तथा भावात्मक एकता, भाषा सुधार तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया आदि सभी का चलन बहुत धीमा है, इसलिए शिक्षा के द्वारा इनकी सफलता के लिए उचित उपाय प्रदान करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"

परिवर्तन लाने का सबसे प्रभावी तरीका शिक्षा है। इसके द्वारा लोगों के दृष्टिकोण, व्यवहार रीतियों, जीवन नीतियों तथा मूल्यों में परिवर्तन लाने और उनमें प्रगति करने के लिए इच्छा जागृत की जा सकती है। शिक्षा आधुनिक ज्ञान में वृद्धि करने में सभी सहायक हो सकती है।

1. उपरोक्त दिए गए गद्यांश का उचित शीर्षाकंन कीजिए।

(अ) शिक्षा द्वारा सामाजिक सुधार अपेक्षित (ब) शिक्षा भविष्य की नींव

(स) शिक्षा द्वारा आर्थिक सुधार अपेक्षित (द) इनमें से कोई नहीं

2. शिक्षा के अभाव में किस रूप में सुधार प्रभावहीन रह जाते हैं?

(अ) सामाजिक रूप में (ब) व्यावहारिक रूप में (स) कानूनी रूप में (द) इनमें से कोई नहीं

3. गद्यांश के आधार पर बताइए कि किसका चलन बहुत धीमा हैं?

(अ) पिछड़ी तथा अनुसूचित जातियों के उत्थान का (ब) राष्ट्रीय तथा भावात्मक एकता का

(स) भाषा सुधार तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया का (द) ये सभी

4. शिक्षा के द्वारा क्या संभव हैं?

(अ) लोगों के दृष्टिकोण में परिवर्तन (ब) व्यवहार रीतियों में परिवर्तन

(स) मूल्यों में परिवर्तन (द) ये सभी

5. गद्यांश के आधार पर बताइए कि हमने किस सामाजिक बुराई के लिए कानून बनाए?

(अ) दहेज प्रथा (ब) बाल-विवाह (स) बाल श्रम (द) ये सभी

अथवा

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का ज्वलंत उदाहरण है - हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने से परहेज करता है। वह यह नहीं सोचता कि शारीरिक श्रम परिणामत: कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना मधुर होता है। 'दिन अस्त ओर मजदूर मस्त' का भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता हे, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है। हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यत: उच्च सामाजिक स्तर की पहचान माना जाता है। यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जा रहा है, त्यों-त्यों बीमारों व बीमारियों की संख्या में भी वृद्धि होती जा रही है। इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आ रही है। जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती हैं, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी होता है।

1. गद्यांश के आधार पर बताइए कि शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण हैं?

(अ) श्रम की अवज्ञा (ब) अत्यधिक श्रमिक होना (स) श्रमपरक कार्य (द) इनमें से कोई नहीं

2. महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को क्या परामर्श दिया था?

(अ) हमेशा मस्त रहोगे (ब) केवल पसीने की कमाई खाओगे

(स) संतोष से रहोगे (द) इनमें से कोई नहीं

3. गद्यांश के आधार पर बताइए कि हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना किस स्तर की पहचान मानी गई हैं?

(अ) उच्च सामाजिक स्तर (ब) निम्न सामाजिक स्तर (स) मध्य सामाजिक स्तर (द) इनमें से कोई नहीं

4. आर्थिक स्थिति में सुधार होने पर किसमें वृद्धि होती जा रही हैं?

(अ) बीमारों व बीमारियों की संख्या में (ब) शारीरिक श्रम में

(स) भूख और नींद में (द) इनमें से कोई नहीं

5. गद्यांश के आधार पर बताइए कि शारीरिक श्रम होता हैं

(अ) दु:खदायी (ब) सुखदायी (स) श्रमपरक (द) इनमें से कोई नहीं

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"

प्र.3 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्ही चार भागों के उत्तर दीजिए। **(1 × 4 = 4)**

1. 'यह लड़की अत्यन्त सुशील और परिश्रमी है।' वाक्य में रेखांकित पदबंध हैं
   (अ) संज्ञा पदबंध (ब) विशेषण पदबंध (स) क्रिया पदबंध (द) क्रिया विशेषण पदबंध
2. 'नदी बहती चली जा रही हैं।' रेखांकित में पद है
   (अ) विशेषण पद (ब) संज्ञा पद (स) क्रिया पद (द) सर्वनाम पद
3. 'अयोध्या के राजा दशरथ के चार पुत्र थे।' वाक्य में संज्ञा पदबंध है
   (अ) अयोध्या के राजा दशरथ (ब) के (स) चार (द) पुत्र थे
4. 'शेर की तरह दहाड़ने वाले तुम काँप क्यों रहे हो?' रेखांकित में पदबंध है
   (अ) सर्वनाम पदबंध (ब) संज्ञा पदबंध (स) विशेषण पदबंध (द) क्रिया पदबंध
5. 'जंग में मरने वाले सैनिक आदरणीय होते हैं।' वाक्य में रेखांकित पदबंध है
   (अ) विशेषण पदबंध (ब) क्रिया पदबंध (स) क्रिया विशेषण पदबंध (द) संज्ञा पदबंध

प्र.4 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए - **(1 × 4 = 4)**

1. वाक्य के अंग है-
   (अ) दो (ब) तीन (स) चार (द) पाँच
2. जिस वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया होतीहै, उसे कहते हैं-
   (अ) सरल वाक्य (ब) संयुक्त वाक्य (स) मिश्र वाक्य (द) पूर्णवाक्य
3. 'दीपक के कहा कि वह कल आएगा' वाक्य है-
   (अ) सयुंक्त वाक्य (ब) मिश्र वाक्य (स) सरल वाक्य (द) आश्रित वाक्य
4. 'जितना करोगे, उतना ही पाओगों। वाक्य में रेखांकित उपवाक्य है-
   (अ) संज्ञा उपवाक्य (ब) मिश्र वाक्य (स) सरल वाक्य (द) आश्रित वाक्य
5. मिश्र वाक्य है-
   (अ) बच्चा दूध पीकर सो गया (ब) यह मेरी सीट है और वह आपकी
   (स) यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती है (द) अँधेरे के कारण कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है।

प्र.5 निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए- **(1 × 4 = 4)**

1. कर्मधारय और द्विगु समास उपभेद है-
   (अ) अव्ययीभाव समास के (ब) बहुव्रीहि समास के (स) द्वंद्व समास के (द) तत्पुरूष समास के
2. कर्म तत्पुरूष समास का उदाहरण है-
   (अ) ग्रामगत (ब) नखभिन्न (स) गौशाला (द) नीति-निपुण
3. सप्तर्षि में समास है-
   (अ) द्विगु समास (ब) तत्पुरूष समास (स) कर्मधारय समास (द) बहुव्रीहि समास
4. 'चक्रपाणि' का समास-विग्रह है-
   (अ) चक्र और पाणि (ब) चक्र वाला पाणि
   (स) चक्र है पाणि में जिसके (विष्णु) (द) चक्र के लिए पाणि
5. जिस समास में दोनों पद प्रधान होते है, उसे कहते है-
   (अ) अव्ययीभाव समास (ब) द्वद्व समास (स) बहुव्रीहि समास (द) द्विगु समास।

ALLEN

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"

प्र.6 निम्नलिखित चारों भागों के उत्तर दीजिए- **(1 × 4 = 4)**

1. शेर को सामने देख हमारे _____। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान भरिए-

(अ) प्राण सूख गए (ब) पैर उखड़ गए (स) कान भर गए (द) छक्के छूट गए

2. छत्रपति शिवा जी ने मुगलों के दाँत _____। उपयुक्त मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए -

(अ) तोड़ दिए (ब) खट्टे कर दिए (स) हरे कर दिए (द) बजा दिए

3. 'कान खड़े होना' मुहावरे का अर्थ है-

(अ) क्रोधित होना (ब) ध्यानपूर्वक सुनना (स) चकित रह जाना (द) सचेत होना

4. सिपाही को देखते ही चोर _____। रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त मुहावरा है-

(अ) नौ दो ग्यारह हो गए (ब) तार-तार हो गए (स) हक्के-बक्के रह गए (द) सुध-बुध खो बैठे

प्र.7 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए- **(1 × 4 = 4)**

विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी,
मरो, परंतु यों मरो कि याद जो करें सभी।
हुई न यों सुमृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिए,
मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए।
वही पशु-प्रवृत्ति है कि आप आप की चरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।

1. पद्यांश के कवि है-

(अ) रामधारीसिंह 'दिनकर' (ब) जयशंकर प्रसाद (स) मैथिलीशरण गुप्त (द) महादेवी वर्मा

2. कवि मनुष्य को मृत्यु से न डरने के लिए क्यों कहता है-

(अ) मृत्यु सुखद होती हैं (ब) मानव- जीवन नश्वर होता हैं
(स) मृत्यु स्वागत करने योग्य है (द) मृत्यु मनुष्य का कुछ नहीं बिगाड़ सकती है।

3. जीवन-मरण वृथा है-

(अ) यदि धन प्राप्त न हो (ब) यदि यश प्राप्त न हो (स) यदि सुमृत्यु प्राप्त न हो (द) यदि मृत्यु से डर गए

4. पशु-प्रवृत्ति है-

(अ) जंगलों में घूमना (ब) दूसरों के लिए जीना (स) बाँटकर खाना (द) आप-आप ही चरना

प्र.8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए - **(1 × 5 = 5)**

ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे। उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था। एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया। मेरी माँ ने देखा तो उसे दुख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की। लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उसकी आँखों में दुख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए। इस गुनाह को खुदा से मुआफ़ कराने के लिए उसने पूरे दिन रोज़ा रखा। दिन-भर कुछ खाया-पिया नहीं। सिर्फ़ रोती रही और बार-बार नमाज पढ़-पढ़कर खुदा से इस गलती को मुआफ़ करने की दुआ माँगती रही।

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"

1. लेखक का मकान कहाँ था–

(अ) मुंबई में (ब) दिल्ली में (स) लखनऊ में (द) ग्वालियर में

2. लेखक के घर में घोंसला किसने बना लिया था–

(अ) चिड़िया ने (ब) गौरेया ने (स) कबूतरों ने (द) मैना ने

3. दूसरा अंडा किससे टूट गया–

(अ) बिल्ली से (ब) लेखक से (स) लेखक की माँ से (द) नौकर से

4. अंडे टूट जाने पर कबूतरों की क्या दशा थी–

(अ) वे चुपचाप बैठे थे (ब) वे ज़ोर–ज़ोर – से चिल्ला रहे थे

(स) वे अंडे तोड़ने वाले पर हमला कर रहे थे (द) वे परेशानी में इधर–उधर फड़फड़ा रहे थे।

5. लेखक की माँ द्वारा किए गए प्रायश्चित में नहीं है –

(अ) कबूतरों का दाना खिलाना (ब) पूरे दिन रोज़ा रखना

(स) दिन–भर रोते रहना (द) बार–बार नमाज पढ़ना

प्र.9 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए – (1 × 5 = 5)

मेरा जी पढ़ने में बिलकुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में आ जाता और कंकरियाँ उछालता, कभी कागज़ की तितलियाँ उडाता और कहीं कोई साथ मिल गया, तो पूछना ही क्या। कभी चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूद रहे हैं। कभी फाटक पर सवार, उसे आगे–पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठा रहे है, लेकिन कमरे में आते ही भाई साहब का वह रूद्र–रूप देखकर प्राण सूख जाते। उनका पहला सवाल यह होता–कहाँ थे, हमेशा यही सवाल, इसी ध्वनि में हमेशा पूछा जाता था और इसका जवाब मेरे पास केवल मौन कह देता था कि मुझे अपना अपराध स्वीकार है और भाई साहब के लिए उसके सिवा और कोई इलाज न था कि स्नेह और रोष से मिले हुए शब्दों में मेरा सत्कार करें।

1. गद्यांश के लेखक है–

(अ) प्रेमचंद (ब) यशपाल (स) लीलाधर मंडलोई (द) सीताराम सेकसरिया

2. लेखक का मन पढ़ाई में नहीं लगता था; क्योंकि–

(अ) वह मंदबुद्धि था (ब) वह आलसी था

(स) उसकी रूचि खेल–कूद से अधिक थी (द) पढ़ाई बहुत कठिन थी

3. कमरे में आते ही लेखक को दिखाई देता है–

(अ) बड़े भाई का सौम्य रूप (ब) बड़े भाई का रूद्र–रूप

(स) मेज़ पर रखा खाने का सामान (द) दीवार पर लगा टाइम–टेबिल

4. भाई साहब लेखक का सत्कार करते थे–

(अ) गले लगाकर (ब) मधुर वचनों से

(स) स्नेह और रोष मिश्रित शब्दों से (द) मधुर मुसकान

5. 'प्राण सूख जाना' मुहावरे का अर्थ है–

(अ) प्यास लगना (ब) प्राण निकल जाना (स) अत्यधिक डर जाना (द) संकट में पड़ जाना

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"

खंड 'ब' (वर्णात्मक प्रश्न)

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **(2 × 2 = 4)**

(अ) तताँरा-वामीरो की मृत्यु कैसे हुई ?

(ब) वज़ीर अली की क्या योजना थी ? अंग्रेजों के अनुसार क्या वह उसमें सफल हो सकता था ?

(स) मीरा श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है? स्पष्ट कीजिए।

प्र.11 निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए- **(4)**

'झेन की देन' पाठ में वर्णित 'टी-सेरेमनी का शब्द-चित्र प्रस्तुत कीजिए।

प्र.12 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए- **(3 × 2 = 6)**

(अ) 'टोपी शुक्ला' पाठ में टोपी और इफ़्फ़न किस- किसका प्रतिनिधित्व करते है ? इन दोनों चरित्रों के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है ?ि

(ब) ठाकुरबार जैसी संस्थाओं की ग्रामीण समाज के प्रति भूमिका और कर्तव्यों पर प्रकाश डालिए।

(स) मास्टर प्रीतमचंद को स्कूल से निलंबित क्यों कर दिया गया ? निलंबन के औचित्य और उस घटना से उभरने वाले जीवन-मूल्यों पर अपने विचार लिखिए।

प्र.13 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गये संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- **(6)**

(अ) समय का सदुपयोग

संकेत - बिंदु - समय का महत्व, समय के सदुपयोग से लाभ, सफलता का आधार।

(ब) संतोष का महत्व

सकेंत बिन्दु- संतोष का महत्व, असंतुष्टि के कारण, लोभ पाप का मूल है, संतोष ही सबसे बड़ा धन।

(स) सादा जीवन उच्च विचार

संकेत बिन्दु : सादा जीवन उच्च विचार का अर्थ, सद्गुणों से प्रसिद्धि, जीवन में सफलता का रहस्य।

प्र.14 अपने क्षेत्र में फैली गंदगी की समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। **(5)**

अथवा

किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए जिसमें दिल्ली में बढ़ती हुई अपराधवृत्ति की ओर अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया हो।

प्र.15 आपका विद्यालय ग्रीष्मावकाश में नोएडा से नैनीताल की यात्रा का आयोजन कर रहा है। छात्र-छात्राओं को सूचित करने हेतु इस यात्रा से संबंधित सूचना तैयार कीजिए। **(5)**

अथवा

आपके नोएडा क्षेत्र में स्वास्थ्य संगठन द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य संगठन के सचिव होने के नाते सभी क्षेत्रवासियों को इसकी सूचना प्रदान कीजिए।

प्र.16 किसी ज्वैलर्स की ओर से लगभग 20 से 25 शब्दों मे विज्ञापन तैयार कीजिए। **(5)**

अथवा

फ्रिज बनाने वाली कंपनी की ओर से अपने उत्पाद के लिए 25 से 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्र.17 नीचे लिखी उक्ति को आधार बनाकर एक कथा लिखिए। ''मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।'' **(5)**

अथवा

एक मौलिक कथा लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो - ''मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।''

CBSE-2021\Module\CBSE-Sample Papers_(10th)\Hindi\2. SAMPLE PAPER_1 Course (B)_ Paper.p65"